ePathshala पाठशाला

https://epgp.inflibnet.ac.in/

ई-पीजी पाठशाला के विषय में,

ई- स्नातकोत्तर पाठशाला एक मुक्त शैक्षिक संसाधन (ओईआर) है, जो शिक्षा मंत्रालय के राष्ट्रीय मिशन ऑन एजुकेशन थ्रू आईसीटी (एनएमई-आईसीटी) के अंतर्गत शुरू की गई एक पहल है। जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मार्गदर्शन में इन्फ़्लिबनेट केंद्र द्वारा लागू की गई है। इसकी शुरुआत वर्ष 2011 में हुई थी। इसमें पाठ्यक्रम पर आधारित 70 विषयों में अध्ययन सामग्री तैयार की गई है, जिनमें सामाजिक विज्ञान, कला, ललित कला, मानविकी, प्राकृतिक एवं गणितीय विज्ञान, भाषाविज्ञान और विभिन्न भाषाएँ शामिल हैं। यह सामग्री भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों में कार्यरत विषय विशेषज्ञों द्वारा विकसित की जाती हैं। ई-स्नातकोत्तर पाठशाला के तहत तैयार की गई सामग्री एक समर्पित पोर्टल पर निःशुल्क उपलब्ध है, जिसे इन्फ्लिबनेट केंद्र द्वारा संचालित और संरक्षित किया जाता है।

ई-पीजी: ई-सामग्री की मात्रा

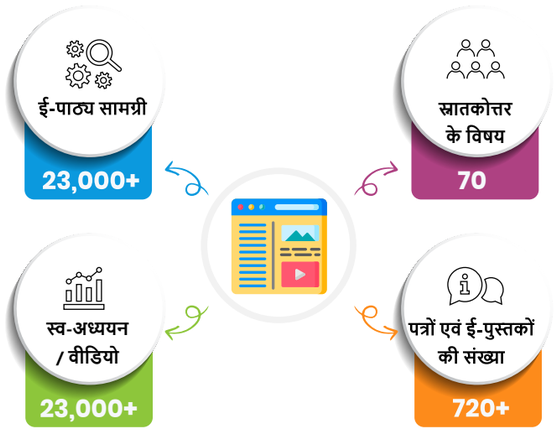

कैसे पहुँचें

ई-पीजी पाठशाला https://epgp.inflibnet.ac.in पर निःशुल्क उपलब्ध है।

VIDYA-MITRA
INTEGRATED E-CONTENT PORTAL
A GATEWAY TO ALL LEARNERS

https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/

विद्या-मित्र के विषय में,

विद्या-मित्र एक ऑनलाइन शिक्षण मंच है जो एनएमई-आईसीटी (राष्ट्रीय शिक्षा मिशन सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से), शिक्षा मंत्रालय के तहत विकसित सभी ई-कंटेंट परियोजनाओं के लिए है। यह पोर्टल सभी ई-सामग्री को खोज एवं स्वच्छंद अवलोकन की सुविधा प्रदान करता है, जहाँ एक विद्यार्थी आसानी से अपनी इच्छित सामग्री तक पहुँच सकता है, जिसमें ऑडियो/वीडियो शिक्षण सामग्री, कंटेंट, मल्टीमीडिया-समृद्ध सामग्री आदि सभी एक ही इंटरफ़ेस में शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इस पोर्टल में फेसेटेड सर्च, माय-स्पेस, उपयोग सांख्यिकी और परियोजना-वार पहुँच जैसी सुविधाएँ भी शामिल हैं।

45000+
ई-पाठ्य सामग्री

72500+
ई-ट्यूटोरियल / वीडियो

कैसे सहभागिता करें

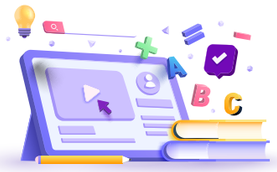

अब सभी विद्या-मित्र शिक्षाविदों के लिए खुला है, जो अपनी सामग्री योगदान करने के साथ उसे मंच पर संचालित भी करना चाहते हैं। यहाँ शिक्षाविदों के लिए संचालन पर कोई शुल्क नहीं है।

जो योगदानकर्ता अपनी सामग्री योगदान करना चाहते हैं, वे विद्या-मित्र यूआरएस (URL) पर उपलब्ध ऑनलाइन अपनी सामग्री का योगदान (Contribute Your Content) फॉर्म भर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट के अक्सर पूछे जाने वाले सवालों के अनुभाग (FAQs) पर भी देख सकते हैं।

कैसे पहुँचें

विद्या-मित्र की खुली पहुँच https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/ के माध्यम से उपलब्ध है।

संपर्क करें

प्रो. देविका पी. माडल्ली
निदेशक
इन्फ़्लिबनेट केंद्र

डॉ. अभिषेक कुमार
वैज्ञानिक-ई (सी.एस)
abhishek@inflibnet.ac.in

श्री अतुलकुमार तिवारी
एसटीए (सी.एस)
atultiwari@inflibnet.ac.in

079-2326 8201 / 8280 / 8127

INFLIBNET
सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक स्वायत्त अंतर-विश्वविद्यालय केंद्र)
इन्फोसिटी, गांधीनगर-382007, गुजरात, भारत

ई-लर्निंग सेवाएं

इन्फ्लिबनेट (सूचना एवं पुस्तकालय नेटवर्क) केंद्र , भारत के केंद्र शैक्षणिक संस्थानों में डिजिटल बुनियादी ढांचे, संसाधनों और सेवाओं में ई-लर्निंग को बढ़ावा देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। केंद्र ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने वाले विभिन्न प्लेटफॉर्म विकसित और संचालित करता है, जैसे ई-पीजी पाठशाला जो कई विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली ई-सामग्री प्रदान करता है, आईएलएमएस जो शिक्षण प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से पाठ्यक्रम / संसाधन को उपलब्ध कराके संस्थानों को सेवा प्रदान करता है तथा विद्या-मित्र जो उच्च शिक्षा के शिक्षार्थियों और स्वयं-प्रभा के लिए एक अनावृत शैक्षिक भंडार भी है (डीटीएच के माध्यम से शिक्षा)।

LEARNING MANAGEMENT SERVICE

ePathshala पाठशाला

VIDYA-MITRA
INTEGRATED E-CONTENT PORTAL
A GATEWAY TO ALL LEARNERS

SWAYAM PRABHA
Free DTH Channel for Education

INFLIBNET LEARNING MANAGEMENT SERVICE ILMS

https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

इन्फ़िलबनेट की शिक्षण प्रबंधन सेवा के विषय में,

इन्फ़िलबनेट की शिक्षण प्रबंधन प्रणाली सेवा (आईएलएमएस) भारत के उच्च शिक्षा संस्थानों को इन्फ़िलबनेट केंद्र द्वारा प्रदान की जा रही है। यह सेवा पहले से तैयार की गई शैक्षणिक सामग्री/कंटेंट उपलब्ध कराती है, जो ई-स्नातकोत्तर पाठशाला (स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए एक द्वार है) और अन्य ओपन शैक्षिक रिपॉज़िटरीज़ से लिया गया है। इसमें स्नातक और स्नातकोत्तर गैर-तकनीकी पाठ्यक्रम भी शामिल हैं, जिन्हें स्वयं (SWAYAM) के तहत विकसित किया गया है।

इन्फ़िलबनेट की शिक्षण प्रबंधन सेवा @ ग्लांस

पाठ्यक्रम

आईएलएमएस में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के 1000 से अधिक पाठ्यक्रम सामग्री पहले से ही शामिल हैं।

प्लेटफ़ॉर्म

आईएलएमएस को एक ओपन-सोर्स प्लेटफ़ॉर्म (मूडल) पर कॉन्फ़िगर और अनुकूलित किया जाता है।

पूरी तरह मुफ़्त

आईएलएमएस की सेवा शैक्षणिक संस्थानों के लिए पूरी तरह नि:शुल्क है।
यदि इसे इन्फ़िलबनेट के क्लाउड पर होस्ट किया जाता है, तो होस्टिंग शुल्क लागू हो सकते हैं।

होस्टिंग

आईएलएमएस को संस्थान के अपने सर्वर पर या इन्फ़िलबनेट के सर्वर पर होस्ट किया जा सकता है।

आईएलएमएस कैसे प्राप्त करें?

आईएलएमएस की सेवा इन्फ़िलबनेट केंद्र और संबंधित विश्वविद्यालय / संसंथान के बीच हस्ताक्षित ज्ञापन-पत्र के आधार पर प्रदान की जाती है, जिसके कोई वित्तीय निहितार्थ शामिल नहीं होता।

SWAYAM PRABHA
Free DTH Channel for Education

https://www.swayamprabha.gov.in/

स्वयं प्रभा के विषय में

स्वयं-प्रभा डीटीएच चैनलों का एक समूह है, जो 24X7 उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षिक कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए समर्पित जीसैट-15 उपग्रह का उपयोग करता है। ये चैनल को बीआईएसएजी-एन, गांधीनगर से अपलिंक किया गया है, जिसे आईआईटी, यूजीसी, सीईसी, इग्नू आदि द्वारा सामग्री प्रदान की जाती है। जिसमें इन्फ़िलबनेट केंद्र तकनीकी साथी है, इसने इसके लिए समर्पित पोर्टल (जिसमें प्रोग्राम शेड्यूल, वीडियो आर्काइव, लाइव स्ट्रीमिंग, नॉलेज रिपॉजिटरी, आदि हैं) विकसित किया है।
इन्फ़िलबनेट केंद्र एक चैनल के लिए राष्ट्रीय समन्वमक भी है।

इन्फ़िलबनेट केंद्र इस चैनल के लिए राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में भी कार्यरत है।

स्वयं-प्रभा के घटक

उच्च शिक्षा

उच्च शिक्षा के लिए 40 मुफ्त डीटीएच चैनल, जिनमें कला , मानव विज्ञान , इंजीनियरिंग और प्रोफेशनल क्षेत्र जैसे अलग-अलग विषय शामिल हैं।

स्कूली शिक्षा के लिए पीएम ई-विद्या

कक्षा 1-12वीं के लिए 200 शैक्षणिक टीवी चैनल, जिसमें एनसीइआरटी, सीबीएसी, एनआईओएस, कौशल विकास तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए रीजनल कंटेंट के लिए शैक्षणिक चैनल भी शामिल हैं।

प्रतिस्पर्धी परीक्षा

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए समर्पित डीटीएच चैनल

इंजीनियरिंग	कृषि	एसएससी	चिकित्सा
बैंकिंग	आरआरबी	काकून	

कैसे पहुँचे

DD Free Dish™
इसे मुफ्त डिश पर पाएं

https://swayamprabha.gov.in

इन्फ़िलबनेट एक राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में

इन्फ़िलबनेट केंद्र को स्वयं के राष्ट्रीय समन्वयक में से एक के रूप में नियुक्त किया गया है। केंद्र वर्तमान में निम्नलिखित बुन्दुओं पर कार्य कर रहा है:-

- शैक्षणिक आध्यात्मिक सामग्री का विकास;
- भाषा-धारा (भारतीय भाषाओं में पढ़ने, लिखने, बोलने और सुनने के कौशल के लिए ई- कंटेंट का विकास);
- कंटेंट निर्माण के लिए विभिन्न अखिल भारतीय संसाधनों / कंटेंट क्रिएटर्स की सेवाओं का लाभ उठाना;
- सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडलों के माध्यम से शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के तरीकों का अन्वेषण करना ।

चैनल नंबर 8 आत्म-ज्ञान

सामाजिक एवं व्यवहारिक विज्ञान, आध्यात्मिकता